8. पृथ्वी

पहेली बूझो–

मैं अपने ऊपर हल चलवाकर,
सबके लिए अनाज़ उगाती।
सहन शक्ति इतनी है मुझमें,
इमारतों के बोझ से भी न घबराती।।

उत्तर– पृष्ठ-70 पर देखें।

इस कविता में पृथ्वी अपने बारे में कुछ महत्त्वपूर्ण बातें बता रही है। आओ पढ़ें।

पृथ्वी कहती, मैं चलती हूँ,
हाँ, चलती ही रहती हूँ।
अपनी धुरी पर घूमती रहती,
रात और दिन करती हूँ।

सूरज की मैं करूँ परिक्रमा,
एक वर्ष में एक ही बार।
तभी तो ऋतुएँ रंग बदलतीं,
तभी तो आते हैं त्योहार।

मैं चलती हूँ तुम भी,
मेरे संग-संग चलते रहते हो।
अपने घर में बैठे हो,
ब्रह्मांड की यात्रा करते हो।

चंदा को मैं बाँधकर रखती,
जो मेरे संग-संग चलता है।
कभी वह छोटा, कभी बड़ा वह,
जाने कितने रूप बदलता है।

—प्रभा

शब्दार्थ ✓

अभ्यास अगस्त

पृथ्वी	धरती	त्योहार	पर्व
धुरी	मध्य बिंदु	ब्रह्मांड	सृष्टि
परिक्रमा करना	किसी के चारों ओर घूमना	चंदा	चंद्रमा
ऋतुएँ	मौसम		

पाठ को समझें

1. सही शब्द चुनकर ✓ लगाओ व पंक्तियाँ पूरी करो–

क. चंदा को मैं बाँधकर रखती

सूरज ☐ ग्रह ☐ चंदा ☑

ख. कितने रूप बदलता है

रंग ☐ रूप ☑ ढंग ☐

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

मौखिक–

क. पृथ्वी किस पर घूमती रहती है?

ख. पृथ्वी किसे बाँधकर रखती है?

ग. हम पृथ्वी के साथ किसकी यात्रा करते हैं?

लिखित–

क. पृथ्वी क्या करती है?

पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमकर दिन और रात बनाती है तथा सूरज की परिक्रमा करके वर्ष में ऋतुओं का आगमन करवाती है।

ख. पृथ्वी किसकी परिक्रमा कितनी बार करती है?

पृथ्वी सूरज की परिक्रमा करती है। वह यह परिक्रमा एक वर्ष में एक ही बार करती है।

ग. पृथ्वी द्वारा सूरज की परिक्रमा करने से क्या होता है?

पृथ्वी द्वारा सूरज की परिक्रमा करने से ऋतुएँ बदलती हैं, जिससे विभिन्न प्रकार के त्योहार आते हैं।

भाषा को समझें

1. उचित स्थान पर 'में/मैं' लिखकर खाली स्थान भरो-

क. ......मैं...... सूरज की परिक्रमा करती हूँ।

ख. पृथ्वी एक वर्ष ......में...... एक बार सूर्य की परिक्र...
करती है।

ग. ......मैं...... चलती हूँ, तो तुम भी चलते हो।

घ. तुम घर ......में...... बैठे-बैठे ब्रह्मांड की यात्रा करते ...

ङ. ......मैं...... चंदा को बाँधकर रखती हूँ।

2. वर्णमाला में व्यंजनों की पंक्ति के प्रथम व्यंजन पर उस पूरे वर्ग का नाम र...
जाता है। जैसे-

वर्ग	व्यंजन				
कवर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
चवर्ग	च	छ	ज	झ	ञ

अब आप सभी वर्गों के नाम के सामने उनके व्यंजन लिखो-

टवर्ग – ......ट...... ......ठ...... ......ड...... ......ढ...... ......ण......

तवर्ग – ......त...... ......थ...... ......द...... ......ध...... ......न......

पवर्ग – ......प...... ......फ...... ......ब...... ......भ...... ......म......

ये कुल पाँच वर्ग हैं। प्रत्येक वर्ग में पाँच-पाँच व्यंजन होते हैं।

3. दी गई पंक्तियों का सुलेख करो-

सूरज की मैं करूँ परिक्रमा,
एक वर्ष में एक ही बार।

4. पढ़ो, समझो और लिखो–

र् + उ	=	रु	–	रुकना	रुचि	ऋधिर
र् + ऊ	=	रू	–	रूप	रूठना	रूस

रचनात्मक कार्य

1. कविता को पढ़कर 'पृथ्वी' के विषय में पाँच पंक्तियाँ लिखो।
2. इंटरनेट की सहायता से 'पृथ्वी पर जन-जीवन' विषय पर जानकारी एकत्र कर कक्षा में चर्चा करें।
3. हिंदी के अंकों और शब्दों में 1 से 50 तक गिनती पढ़ो और सीखो–

१	एक	१८	अठारह	३५	पैंतीस
२	दो	१९	उन्नीस	३६	छत्तीस
३	तीन	२०	बीस	३७	सैंतीस
४	चार	२१	इक्कीस	३८	अड़तीस
५	पाँच	२२	बाईस	३९	उनतालीस
६	छह	२३	तेईस	४०	चालीस
७	सात	२४	चौबीस	४१	इकतालीस
८	आठ	२५	पच्चीस	४२	बयालीस
९	नौ	२६	छब्बीस	४३	तैंतालीस
१०	दस	२७	सत्ताईस	४४	चवालीस
११	ग्यारह	२८	अट्ठाईस	४५	पैंतालीस
१२	बारह	२९	उनतीस	४६	छियालीस
१३	तेरह	३०	तीस	४७	सैंतालीस
१४	चौदह	३१	इकतीस	४८	अड़तालीस
१५	पंद्रह	३२	बत्तीस	४९	उनचास
१६	सोलह	३३	तैंतीस	५०	पचास
१७	सत्रह	३४	चौंतीस		

पाठ-8

पृथ्वी

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो -

मौखिक

(क) पृथ्वी किस पर घूमती रहती है?
उत्तर- पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती रहती है।

(ख) पृथ्वी किसे बाँधकर रखती है?
उत्तर- पृथ्वी चंदा को बाँधकर रखती है।

(ग) हम पृथ्वी के साथ किसकी यात्रा करते हैं?
उत्तर- हम पृथ्वी के साथ ब्रह्माड की यात्रा करते है।